मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 114, मुंबई, गुरुवार, 17 जून, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

आपके लिए
MM MITHAIWALA
गरमा गरम नाश्ता और शुद्ध घी की मिठाइयाँ
पार्सल
zomato SWIGGY amazon.in Flipkart
Order on WhatsApp
+91 98208 99501
www.mmmithaiwala.com

राममंदिर जमीन खरीदी का घोटाला

भिड़े शिवसेना और भाजपा कार्यकर्ता

'सोनिया सेना हाय-हाय' की घोषणा से बढ़ा विवाद

भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि जब हम गाड़ी से यहां से जा रहे थे तो शिवसैनिकों ने हमें रोका और पीटा

संवाददाता

मुंबई। अयोध्या में राम मंदिर की जमीन की खरीद में हुए घोटाले की शिवसेना ने सामना समेत कई प्लेटफॉर्म पर आलोचना की थी। आलोचना के दौरान शिवसेना की ओर से भाजपा पर निशाना साधा गया था। इसके विरोध में भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को दादर स्थित शिवसेना भवन के सामने प्रोटेस्ट किया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पुलिस को कंट्रोल करने के लिए चलानी पड़ी लाठियां

कई लिए गए हिरासत में

दवाई में दगाबाजी

नकली वैक्सीन लगाकर 390 लोगों से 5 लाख रुपए हड़पने का आरोप

टीके के लक्षण नहीं दिखने पर हुआ शक

मुंबई। कांदीवली इलाके की एक हाउसिंग सोसायटी में रहने वाले कई लोग वैक्सीनेशन स्कैम का शिकार हुए हैं। उनका आरोप है कि कुछ लोग मुंबई के एक प्रतिष्ठित हॉस्पिटल के कर्मचारी बनकर आए और उन्हें नकली कोविड-19 इंजेक्शन लगा गए। सोसाइटी के अधिकारियों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टीके लगने के बाद किसी भी व्यक्ति को बुखार या थकान के लक्षण नहीं दिखे तो उन्हें शक हुआ। सोसायटी में रहने वाले हितेश पटेल ने बताया कि 30 मई को हीरानंदानी हाउसिंग सोसायटी परिसर में 390 लोगों को कोविशील्ड का टीका लगाया गया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी का फर्जीवाड़ा

फर्जी पत्रों के जरिए पीएनबी से हासिल किए थे 6433 करोड़ रुपये

दै. मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली। सीबीआई ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में अपनी जांच में पता लगाया है कि भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के स्वामित्व वाली कंपनियों ने कथित रूप से फर्जी वचन पत्रों (लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग) और विदेशी साख पत्रों (फॉरेन लेटर्स ऑफ क्रेडिट) का इस्तेमाल कर पीएनबी से 6344.96 करोड़ रुपये हासिल किए। चोकसी पीएनबी घोटाला सामने आने से कुछ सप्ताह पहले जनवरी, 2018 में भारत से फरार हो गया था और तब से एंटीगुआ और बारबुडा में रह रहा था। एजेंसी के अनुसार पीएनबी की ब्रैडी हाउस शाखा (मुंबई) में अधिकारियों ने मार्च-अप्रैल 2017 के दौरान 165 वचन-पत्र (एलओयू) और 58 विदेशी साख पत्र (एफएलसी) जारी किए थे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

बुजुर्गों से सुलूक

कोरोना महामारी ने दुनिया भर के इंसानी समाजों को बहुत करीब से आईना दिखाया है, लेकिन इसकी दूसरी लहर ने खास तौर पर कई सामाजिक-पारिवारिक कटु हकीकतों से रूबरू कराया। गैर-सरकारी संगठन 'एजवेल फाउंडेशन' का ताजा सर्वे इसका ठोस उदाहरण है और चिंताजनक भी। संगठन ने अपने अध्ययन में पाया है कि दूसरी लहर के मद्देनजर लगे लॉकडाउन के दौरान 73 प्रतिशत बुजुर्ग दुर्व्यवहार के शिकार हुए। करीब 35 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिकों को तो घरेलू हिंसा सहनी पड़ी। जाहिर है, इनमें महिलाओं की तादाद ज्यादा होगी। भारत में एक के बाद दूसरी सरकारों ने स्त्री सशक्तीकरण की दिशा में कई अहम कदम उठाए, और उन कोशिशों के सुफल भी अब दिख रहे हैं, लेकिन जो महिलाएं इस समय बुजुर्गियत जी रही हैं, उनमें से ज्यादातर की दूसरों पर आर्थिक निर्भरता और शारीरिक अशक्तता उन्हें उपेक्षा के लिहाज से अधिक संवेदनशील बना देती है। पिछले वर्ष के लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा के मामलों में 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया था। 25 मार्च से 31 मई के बीच पीड़ित महिलाओं ने अपने साथ हिंसा की 1,477 शिकायतें दर्ज कराई थीं, जो उस कालखंड की एक भयावह तस्वीर पेश कर रही थी। यह स्थिति तब थी, जब सामाजिक रूढ़ियों के कारण अनगिनत घटनाएं किसी तहरीर का हिस्सा नहीं बन पातीं। दरअसल, संक्रमण का डर, कमाई की चिंता, महानगरों के दड़बेनुमा घर में सिमट आई जिंदगी ने अनगिनत लोगों के सामने एक ऐसी स्थिति रख दी थी, जो उनकी कल्पना में भी नहीं थी। ऐसे में, हालात से उत्पन्न तनाव एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आए थे। पर दूसरी लहर के दौरान न तो लॉकडाउन उतने सख्त या लंबी अवधि के लगे और न ही यह परिस्थिति अचानक पैदा हुई थी, इसके बावजूद बुजुर्गों के साथ हो रहा बर्ताव बताता है कि हमारे पारिवारिक मूल्य तेजी से दरक रहे हैं और उनको संजीदगी से सहेजने की जरूरत है। पारंपरिक भारतीय परिवारों यानी संयुक्त परिवारों में बुजुर्गों की देखभाल कोई समस्या इसलिए नहीं हुआ करती थी, क्योंकि तब उन्हें एकाकीपन से नहीं जूझना पड़ता था। भावनाओं की साझेदारी के साथ उनकी बहुत सारी शिकायतें यूं ही तिरोहित हो जातीं और वे उपेक्षित नहीं महसूस करते थे। फिर परिवारों व संततियों पर लोकलाज का अंकुश हमेशा बना रहता था। लेकिन व्यापक सामाजिक-आर्थिक बदलावों के कारण एकल परिवारों का चलन अब मजबूरी है और महामारी ने ऐसे परिवारों के सदस्यों के तनाव को ज्यादा गहरा किया है। एजवेल फाउंडेशन जैसे संगठनों के अध्ययन हमारे नीति-नियंताओं के लिए आंख खोलने वाले होने चाहिए। तब तो और, जब देश अभी दूसरी लहर से पूरी तरह उबरा नहीं है, तीसरी लहर की आशंका को टालने का इसे उपक्रम करना है और अर्थव्यवस्था को पटरी पर वापस लाना है। विगत वर्षों में बुजुर्गों के अधिकारों को संरक्षित करने वाले कई अच्छे कानून बने, बावजूद इसके यदि 73 प्रतिशत बुजुर्ग दुर्व्यवहार के शिकार बनते हैं और 35 फीसदी को पीड़ादायक स्थितियों से गुजरना पड़ता है, तो यह उन कानूनों के क्रियान्वयन, उन्हें लेकर सामाजिक जागरूकता को कठघरे में खड़ा करता है। वैसे भी, बच्चों व बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा किए बिना कोई समाज सभ्य नहीं कहला सकता।

भारत भी तो कुछ कहे चीन को!

भारत अपनी ही सीमा में पीछे हटे और चीन भारत की सीमा से निकल कर अपनी पुरानी पोजिशन पर बैठे। इस तरह पूरा बफर जोन भारत की जमीन में बन जाएगा। यह चीन की 'स्लाइसिंग मिलिट्री स्ट्रेटेजी' है। जिस तरह किसी भी चीज के पतले पतले स्लाइस काटे जाते हैं वैसे ही चीन पड़ोसी देशों की सीमा पर उनकी जमीन के पतले-पतले टुकड़े काटता है और उस पर कब्जा करता जाता है। सारी दुनिया चीन को कठघरे में खड़ा कर रही है। जी-7 देशों के नेताओं ने कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर चीन पर सीधी उंगली उठाई। चीन की परवाह किए बगैर जी-7 देशों ने ताइवान को तरजीह दी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने देश की खुफिया एजेंसियों को वायरस की उत्पत्ति की जांच करके 90 दिन में रिपोर्ट देने को कहा है। चार देशों के क्वाड में शामिल तीन देश- अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी चीन पर सवाल उठाते रहते हैं। लेकिन भारत पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए है। क्वाड के चार देशों में भारत एकमात्र देश है, जिसकी सीमा चीन से लगती है और भारत ही चुप है। भारत एकमात्र देश है, जिसके साथ चीन का सीमा विवाद चल रहा है, सैन्य तनातनी है और कारोबार असंतुलन भी है इसके बावजूद भारत कुछ नहीं बोल रहा है। क्या भारतीय नेतृत्व यह सोच रहा है कि उसकी लड़ाई दुनिया लड़े और वह चीन के साथ कारोबार करता रहे? ऐसा कैसे संभव है? ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस साल यानी 2021 में चीन के साथ भारत का कारोबार बढ़ गया है। चीन के सीमा शुल्क और उत्पाद विभाग के मुताबिक साल के पहले पांच महीने

में दोतरफा कारोबार में 70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। लेकिन अगर भारत सरकार के आंकड़ों पर यकीन करें तब भी इसमें 55 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। भारत के आंकड़ों के मुताबिक दोनों देशों के बीच 45 अरब डॉलर के करीब कारोबार हुआ है, जिसमें 34 अरब डॉलर का सामान चीन ने भारत को भेजा है और भारत की ओर से निर्यात 11 अरब डॉलर के करीब का है। यानी कारोबार असंतुलन तीन गुने का है। सोचें, यह आंकड़ा कब आया है! गलवान घाटी में भारत के 20 जवानों के शहीद होने की बरसी से ठीक पहले यह आंकड़ा आया है कि उनकी शहादत के बाद भारत और चीन के बीच कारोबार बढ़ गया है। कहां तो कहा जा रहा था कि गलवान घाटी के 20 जवानों की शहादत की बड़ी कीमत चीन को चुकानी पड़ेगी और कहां भारत सरकार चीन की कमाई बढ़ाने का बंदोबस्त कर रही है! लोगों की आंखों में धूल झोंकने के लिए चाइनीज मोबाइल ऐप्स बंद करने का दिखावा किया गया और दूसरी ओर दोतरफा कारोबार पहले की तरह फलने-फूलने दिया गया! तो क्या गलवान घाटी के शहीदों की शहादत बेकार नहीं चली गई? शहादत का बदला लेने के लिए चीन से युद्ध करने की जरूरत नहीं है लेकिन भारत उसके ऊपर बड़ी आर्थिक कीमत लाद सकता था, जो उसने नहीं किया। उलटे सरकार के चहेते कारोबारियों को फायदा पहुंचाने के लिए चीन के साथ कारोबार असंतुलन को बढ़ने दिया गया। गलवान घाटी में भारतीय जवानों की शहादत की बरसी पर यह भी देखने की जरूरत है कि आज पूर्वी लद्दाख में जमीनी हालात क्या हैं? कह सकते हैं कि एक साल बाद भी जमीनी हालात में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछले साल 15 जून को गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प से एक महीने पहले चीन ने भारत के साथ सैन्य स्तर की वार्ता शुरू की थी। उसके बाद दोनों के बीच 11 बार सैन्य कमांडर स्तर की वार्ता हुई है। इसका कुल जमा हासिल यह है कि इस साल फरवरी में पैंगोंग झील के पास से दोनों देशों के सैनिकों के पीछे हटने की सहमति बनी, जिसे भारत की जीत की तरह प्रचारित किया गया। पैंगोंग झील इलाके में चीन पीछे हटने को तैयार हुआ तो उसका कारण कैलाश पर्वत श्रृंखला की पहाड़ियों पर समय रहते भारतीय सैनिकों की तैनाती थी। भारत को उसकी वजह से एडवांटेज मिली, लेकिन भारत ने वार्ता की टेबल पर वह एडवांटेज गवां दी और कैलाश पहाड़ियों से भारतीय सैनिकों के नीचे आने की सहमति दे दी। उसके बाद से गतिरोध बना हुआ है। यह महज संयोग है या भारत को चिढ़ाने की चीन की रणनीति, जो उसने 15 जून की पूर्व संध्या पर भारत के सामने फिर से सैन्य वार्ता शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इससे पहले नौ अप्रैल को कॉर्प्स कमांडर स्तर की वार्ता हुई थी, जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला। अब चीन ने डिविजनल कमांडर स्तर की वार्ता का प्रस्ताव दिया है। अगर यह वार्ता होती है तो इसमें मेजर जनरल स्तर के अधिकारी शामिल होंगे। इसमें हॉट स्प्रिंग और गोगरा पोस्ट को लेकर बात होगी। इस इलाके में चीनी फौज की एक टुकड़ी वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पार करके भारत की सीमा में घुस कर बैठी है। कायदे से भारत की शर्त यह होनी चाहिए कि चीन पहले भारत की सीमा से बाहर निकले उसके बाद ही वार्ता होगी। अगर भारत ऐसा नहीं करता है तो वार्ता इस बात को लेकर होगी कि चीन और भारत जहां-जहां है वहां से पीछे हटें। इसका मतलब होगा कि भारत अपनी ही सीमा में पीछे हटे और चीन भारत की सीमा से निकल कर अपनी पुरानी पोजिशन पर बैठे। इस तरह पूरा बफर जोन भारत की जमीन में बन जाएगा। यह चीन की 'स्लाइसिंग मिलिट्री स्ट्रेटेजी' है। जिस तरह किसी भी चीज के पतले पतले स्लाइस काटे जाते हैं वैसे ही चीन पड़ोसी देशों की सीमा पर उनकी जमीन के पतले-पतले टुकड़े काटता है और उस पर कब्जा करता जाता है। भारत के खिलाफ वह इसी रणनीति के तहत काम कर रहा है। डोकलाम से लेकर पैंगोंग झील और हॉट स्प्रिंग, गोगरा से लेकर देपसांग के मैदानी इलाकों तक में उसने यह रणनीति आजमाई हुई है। यह सबको पता है कि चीन ने देपसांग में पारंपरिक रूप से गश्त के बिंदुओं तक भारत को जाने से रोका है।

स्वास्थ्य कर्मियों की दक्षता का सवाल

कोरोना की दूसरी लहर ने जिस अप्रत्याशित तरीके से लोगों की जान ली, उससे तमाम बुनियादी सबक भी मिले हैं। इनमें सबसे प्रमुख है एलाइड यानी सहायक सवसेज की गुणवत्ता। यदि ईमानदारी से कोई ऑडिट किया जाए तो यह प्रमाणित होगा कि भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली सहायक सेवाओं की भारी कमी का सामना कर रही है। संक्रमण की दूसरी लहर में तमाम लोग अस्पतालों में इसलिए जान से हाथ धो बैठे, क्योंकि उन्हें समय पर वेंटिलेटर नहीं लगाया जा सका। आक्सीजन कंसंट्रेटर पर मरीजों को रखने के बाद उनकी सतत निगरानी नहीं हुई या यह ध्यान नहीं रखा गया कि किस क्षमता का कंसंट्रेटर किस मरीज को लगाया जाना चाहिए? आक्सीजन पाइपलाइन से कितनी मात्रा आक्सीजन फ्लो की जानी है? उपयोग किए जा चुके उपकरणों को किस मानक विधि से नए मरीजों पर हाइजीन के साथ प्रयोग किया जाना चाहिए? नतीजतन

कम संक्रमित मरीज बड़ी संख्या में अस्पताल में आकर ज्यादा संक्रमित हुए और मौतों का आंकड़ा लाखों में पहुंच गया। ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में स्थित स्वास्थ्य केंद्रों पर बगैर एसओपी (मानक प्रविधि) से इलाज किया गया, जिसके चलते शहरी अस्पतालों में गंभीर मरीजों का तांता लगा गया। कई नए खुले मेडिकल कॉलेजों में वेंटिलेटर पैकिंग से बाहर नहीं निकाले जा सके, क्योंकि उन्हें चलाने वाले दक्ष स्टाफ की उपलब्धता नहीं थी। कई राज्यों में तमाम वेंटिलेटर मरीजों के लिए उपयोगी साबित नही हुए। हजारों की संख्या में आरटीपीसीआर के नमूने प्रयोगशालाओं में खारिज हुए, क्योंकि उन्हें लेते समय सावधानी नहीं बरती गई। असल में किसी आपदा की तरह यह जो दूसरी लहर आई, उसने हमारी एलाइड सेवाओं की पोल खोल कर रख दी। अगर प्राथमिक उपचार में दक्ष पैरामेडिकल स्टाफ सब जगह उपलब्ध होता तो संभव है कई राज्यों में मौतों का आंकड़ा इतना अधिक नहीं होता। ब्लैक फंगस की चुनौती के मूल में स्टेरायड दवाओं को बेतरतीबी से मरीजों को दिया जाना है। यह काम सहायक चिकित्साकर्मियों की देखभाल में तभी मानक अनुरूप हो सकता था, जब उन्हें इस तरह का पूर्व प्रशिक्षण हासिल होता। देश में एलाइड स्वास्थ्यकर्मियों के मामले में अभी तक कोई ठोस सिस्टम नही है। निजी अस्पतालों में भी ऐसे पेशेवर कर्मियों का नितांत अभाव है, जो क्लिनिकल अभ्यास से जुड़े हुए हों।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

क्या शिवसेना के सुधीर भगत होंगे एनसीपी में शामिल?

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष शमीम खान को शिवसेना के सुधीर भगत के बंगले पर देखा गया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान शमीम खान ने बंगले में आने की वजह कोई राजनीतिक पार्टी से जुड़ी चर्चा को नहीं बताया है। शमीम खान ने कहा सुधीर भगत मेरे अच्छे दोस्त हैं उन्होंने सुधीर भगत की तारीफ करते हुवे कहा कि अच्छे शहरी है। फिर सुधीर भगत से शमीम खान के आने वजह पूँछी गयी तो उन्होंने बताया कि कोई राजनीतिक पार्टी से जुड़ी हुई नहीं है, उन्होंने बताया कि यह मुलाकात एक बिजनेस हेतु की गयी है। शमीम खान का एक प्रोजेक्ट के लिए जो जमीन दी गयी है उसी के विषय में बात करने के लिए शमीम खान यह आया है। सुधीर भगत से एन सी पी में प्रवेश करने की बात से साफ इनकार कर दिया और कहा कि मैं शिवसेना में बहुत खुश हूं। और मैं शिवसेना का वफादार हूं। एक ओर शमीम खान ने पत्रकारों के सामने सुधीर भगत को एन सी पी में आने का और पाटी से चुनाव लड़ने का नेवता भी दे दिया। गौरतलब बात यह है कि मनपा के चुनाव सर पर है और अभी देखना वाली बात यह राजनेता कभी भी अपने फायदे के लिए उलट पलट का खेल खेलते हैं अब देखना यह है कि सुधीर भगत एन सी पी में प्रवेश करेंगें या नहीं?

विदेश जाने वालों को 28 दिन बाद दूसरी डोज

बीएमसी के केंद्रों पर वॉक इन सुविधा

संवाददाता

मुंबई। पढ़ाई या नौकरी के लिए विदेश जाने वाले छात्र या टोकियो ओलिंपिक में भाग लेने जाने वाले खिलाड़ी व अधिकारी अब कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरा डोज मुंबई में 28 दिन बाद लगवा सकते हैं। केंद्र सरकार द्वारा जारी नई गाइडलाइंस को बीएमसी ने मुंबई में मंगलवार से लागू किया है। अब संबंधित लाभार्थी सप्ताह में तीन दिन कोविशील्ड की दूसरा डोज बीएमसी के केंद्रों पर वॉक इन सुविधा के तहत ले सकते हैं। बता दें कि केंद्र सरकार ने नौकरी व पढ़ाई के लिए विदेश जाने वालों और टोकियो ओलिंपिक में भाग लेने वाले लोगों को वैक्सीनेशन नियमों में विशेष छूट दी है। यह छूट कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी डोज के लिए दी गई है। इस नए नियमों को अब मुंबई में लागू करते हुए इस संदर्भ में बीएमसी ने सोमवार को दिशानिर्देश भी जारी किए हैं।

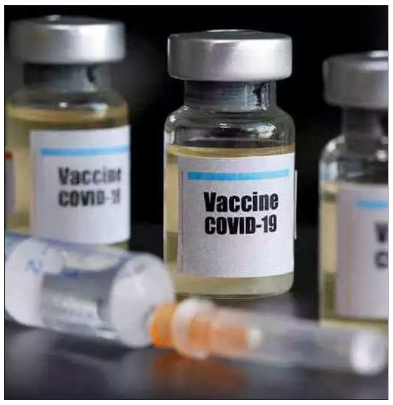

7 केंद्रों में व्यवस्था

संबंधित लाभार्थियों के कोविशील्ड के दूसरे डोज के लिए बीएमसी ने केईएम, कूपर, कस्तूरबा, सेवन हिल्स, दहिसर जंबो कोविड सेंटर, शताब्दी अस्पताल और राजावाड़ी इन सात वैक्सीनेशन केंद्रों में व्यवस्था की है। इन केंद्रों पर सप्ताह में तीन दिन सोमवार, मंगलवार और बुधवार को लाभार्थी सीधे जाकर कोरोना का दूसरा टीका 28 दिन बाद ले सकते हैं।

दे सकते हैं पासपोर्ट नंबर: कोविशील्ड का पहला टीका लगवाने वाले लाभार्थियों ने पहले टीके के समय अगर पासपोर्ट नंबर नहीं दिया है, तो 28 दिन बाद पासपोर्ट नंबर और यात्रा का विवरण दूसरे डोज के समय देना होगा। नोडल अधिकारी पासपोर्ट नंबर लेकर पूरा विवरण भरकर फॉर्म को कोविन पोर्टल पर अपलोड करेंगे। वैक्सीनेशन के समय लोगों को विदेश जाने की वजह बतानी होगी, वहीं उन्हें अधिकारियों को सर्टिफिकेट भी दिखाने होंगे। ये छूट उन्हीं लोगों को मिल रही है, जो 31 अगस्त तक विदेश जाने वाले हैं।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

सीआरपीसी के तहत कौन स्युरेटी हो सकता है?

उत्तर: जमानत के लिए आवेदन करते समय अदालत स्युरेटी मांग सकती है। जमानत बांड के पीछे सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आरोपी व्यक्ति को आवश्यक होने पर अदालत में पेश किया जाए।

सीआरपीसी, 1973 के तहत 'स्युरेटी':

सीआरपीसी, 1973 की धारा 441 अभियुक्तों के मुचलके और जमानत के लिए जमानतदारों के बारे में बात करती है। इस धारा के अनुसार न्यायालय मामले के एक या अधिक व्यक्ति द्वारा जमानत की मांग कर सकता है। अभियुक्त की जमानत या जमानत के बाद यह शर्त रखी जाती है कि व्यक्ति दिए गए बांड में उल्लिखित स्थान पर निश्चित समय पर उपस्थित होगा। यदि उच्च न्यायालय, सत्र न्यायालय या किसी अन्य न्यायालय में उपस्थित होना आवश्यक है, तो उस व्यक्ति को उसके लिए बांड बाध्य करेगा।

स्युरेटी कौन-कौन हो सकता है:

कोई भी स्वाभाविक व्यक्ति स्युरेटी हो सकता है। कृत्रिम व्यक्ति या निगम स्युरेटी नहीं हो सकता है। सीआरपीसी की धारा ४४१(४) के अनुसार, मजिस्ट्रेट जमानत की पर्याप्तता की जांच कर सकता है और विश्वसनीयता, पहचान, फिटनेस या पर्याप्तता के बारे में संतुष्ट नहीं होने पर जमानत को अस्वीकार कर सकता है। सुरेटी यदि अभियुक्त निश्चित समय पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होता है तो जमानती कुछ राशि का भुगतान करने का वचन देता है। सुरेटी का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि आवश्यक हो तो आरोपी अदालत में पेश होगा और जमानत से पैसा नहीं। अदालत सुरेटी की पर्याप्तता और फिटनेस की जांच के लिए संपत्ति पर स्वामित्व या बैंक जमा आदि के रिकॉर्ड के कागजात मांग सकती है। दिवालिया व्यक्ति स्युरेटी नहीं हो सकता।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।

Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

(पृष्ठ 1 का शेष)

राममंदिर जमीन खरीदी का घोटाला

प्रोटेस्ट चल ही रहा था कि बड़ी संख्या में शिवसैनिक भी यहां पहुंचे गए और उन्होंने भी भाजपा के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। मामला इस कदर बढ़ा कि पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच भिड़ंत हो गई। भाजपा नेताओं का आरोप है कि शिवसेना के लोगों ने उनके साथ मारपीट की है। इस बीच मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को काबू करने के लिए लाठियां भी भांजी। कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया गया है। फिलहाल मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात हैं और स्थिति को काबू करने का प्रयास जारी है। शिवसेना भवन के सामने भाजपा की ओर से यह प्रोटेस्ट भाजपा युवा मोर्चा के तेजिंदर सिंह के नेतृत्व में किया गया था। प्रोटेस्ट की जानकारी मिलने के बाद शिवसेना विधायक सदा सर्वंकर कई शिवसैनिकों के साथ यहां पहुंचे और विवाद बड़ा हो गया। विधायक सदा ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि भाजपा कार्यकर्ता यहां पथराव कर रहे हैं। शिवसेना भवन के सामने फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी को तैनात किया गया है। शिवसेना नेताओं का आरोप है कि भाजपा के लोग 'सोनिया सेना, हाय-हाय' के नारे लगा रहे थे। इसके बाद लोगों में आक्रोश पैदा हुआ और मामला हाथापाई तक पहुंच गया। भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि जब हम गाड़ी से यहां से जा रहे थे तो शिवसैनिकों ने हमें रोका और पीटा।

दवाई में दगाबाजी

हर डोज के लिए 1,260 रुपए लिए गए। सोसाइटी की ओर से कुल 4 लाख 91 हजार 400 रुपए का भुगतान किया गया। उन्होंने बताया कि राजेश पांडे नाम के एक व्यक्ति ने खुद को कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल का प्रतिनिधि बताते हुए सोसायटी कमेटी के सदस्यों से संपर्क किया था। इस अभियान का संचालन संजय गुप्ता ने किया, जबकि महेंद्र सिंह नाम के व्यक्ति ने सोसायटी के सदस्यों से पैसा लिया था। पाटिल ने आगे बताया कि टीका लगने के बाद हमारे मोबाइल पर किसी भी तरह का मैसेज नहीं आया। इसके अलावा टीका लगवाने के दौरान हमें सेल्फी या फोटो खींचने की अनुमति नहीं दी गई। सोसायटी के एक अन्य सदस्य ऋषभ कामदार ने बताया कि टीका लगते समय किसी को भी रिसीव्ड या सर्टिफिकेट नहीं दिया गया। 10-15 दिन बाद प्रमाण पत्र आए तो वे अलग-अलग अस्पतालों जैसे नानावटी, लाइफ लाइन, नेस्को बीएमसी टीकाकरण केंद्र की ओर से जारी किए गए थे। इस मामले में संबंधित अस्पतालों से संपर्क किया तो उन्होंने सोसायटी को टीके उपलब्ध कराने से इनकार किया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बाबासाहेब सालुंखे ने बताया कि जिस व्यक्ति के खिलाफ शिकायत की गई है, वह फिलहाल भूमिगत है। नानावटी अस्पताल के प्रवक्ता ने बताया कि उनके अस्पताल की ओर से इस सोसाइटी में कोई भी कैम्प आयोजित नहीं किया गया है। अस्पताल ने इस संबंध में विभागों को सूचित भी किया है और जल्द पुलिस स्टेशन में शिकायत भी की जाएगी।

भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी का फर्जीवाड़ा

इनके आधार पर 311 बिलों में छूट दी गई। बिना किसी पाबंदी सीमा या नकदी सीमा के चोकसी की कंपनियों को ये पत्र जारी किए गए। एलओयू, बैंक द्वारा ग्राहक की ओर से किसी विदेशी बैंक को दी गई गारंटी होती है। अगर ग्राहक विदेशी बैंक को पैसा नहीं लौटाता तो देनदारी गारंटर बैंक की होती है। सीबीआई के पूरक आरोपपत्र में कहा गया है, जब आरोपी कंपनियों ने कथित फर्जी एलओयू और एफएलसी के आधार पर अर्जित राशि का भुगतान नहीं किया तो पीएनबी ने विदेशी बैंकों को बकाया ब्याज समेत 6344.97 करोड़ रुपये का भुगतान किया। हालांकि, इसके साथ ही एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि मामले में अभी जांच की जा रही है और बैंक को हुए नुकसान का अंतिम आंकड़ा सारे एलओयू के अध्ययन करने और जांच पूरी होने के बाद ही पता चल सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 5

अभिनेता और परोपकारी कल्याणजी जाना लॉकडाउन के बीच संकट में फंसे लोगों के लिए मसीहा बनकर उभरे

अपने एनजीओ दादासाहेब फाल्के आइकन अवार्ड फिल्म्स (DPIAF) संगठन के माध्यम से, कल्याणजी जाना अधिक से अधिक लोगों की मदद करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा 2020 में लगाए गए पहले लॉकडाउन के दौरान कल्याणजी जाना को सैकड़ों कलाकारों, तकनीशियनों और मीडिया कर्मियों को राशन उपलब्ध कराने के लिए अपनी पत्न ी के गहने गिरवी रखने पड़े थे। उन्होंने वर्तमान लॉकडाउन के दौरान भी अपनी निस्वार्थ सेवा जारी रखी है। उनका एनजीओ हर दिन अंधेरी वेस्ट, मुंबई में आदर्श नगर सिग्नल के पास फिल्म लाइन में स्ट्रगल करने वाले कलाकारों के लिए मुफ्त भोजन वितरित सेवा शुरू है। यह मुफ्त लंच सर्विस रोजाना 200-300 लोगों को खाना खिलाती है। DPIAF- रोटी और कपड़ा बैंक पहल के तहत, एनजीओ की टीम के सदस्य लोगों से राशन और पुराने कपड़े एकत्र करते हैं और उन्हें विभिन्न गांवों में उनके मासिक दौरे पर वितरित करते हैं। कल्याणजी भी हर रविवार को अलग-अलग इलाकों में जाकर पुलिसकर्मियों, ट्रैफिक पुलिसकर्मी और बीएमसी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हैं। वह अपने भाई मिलन जाना और भेरू जैन पत्नी अंकिता जाना, डीपीआईएएफ की टीम के सदस्यों- शिव आर्यन, अजय सहाय, योगेश लखानी, बू अब्दुल्ला, पंडारी शेट्टी और अधिवक्ता को धन्यवाद देते हैं। एडवोकेट शैलेश दुबे, बीएन तिवारी, राजुल ताई, अभिजीत राणे, चारुल मलिक, हिमांशु झुनझुनवाला, संजय भूषण पटियाला, कासिम हैदर को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद। कल्याणजी जाना के पास सालों पहले जब पहली बार मुंबई आए थे तो उनके पास कुछ नहीं था। लेकिन अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने नाम और प्रसिद्धि अर्जित की। वह अपनी कमाई जमा करने में विश्वास नहीं करता है। एक गरीब पृष्ठभूमि से आने वाले, वह एक आम आदमी की दुर्दशा को जानता है और इसलिए वह हर संभव मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करता है। कल्याणजी मुंबई शहर और उसके लोगों के प्रति आभारी महसूस करते हैं जिन्होंने उनकी यात्रा में उनका साथ दिया। उनका कहना है कि अगर हम दूसरों की मदद करेंगे तो भगवान हमारी मदद करेंगे। उन्होंने बड़े सपनों के साथ मुंबई आने वाले संघर्षरत कलाकारों की मदद करने के उद्देश्य से एनजीओ दादासाहेब फाल्के आइकन अवार्ड फिल्म्स ऑर्गनाइजेशन (DPIAF) की स्थापना की। DPIAF देश के हर शहर में काम करता है। भारत के बाहर, DPIAF दुबई, नेपाल, फिलीपींस, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, जापान, ब्राजील आदि देशों में अपना संचालन करता है। कल्याणजी ने 2014 में फिल्म 'धुंड लेंगे मंजिल हम' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो नहीं चली लेकिन इसने उन्हें एक अभिनेता के रूप में पहचान दिलाई। काम के मोर्चे पर, कल्याणजी की चार फिल्में पाइपलाइन में हैं। उनमें से एक का नाम राज आशु द्वारा निर्देशित 'पाताल पानी' है। फिल्म की शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है और फिलहाल पोस्ट प्रोडक्शन स्टेज में है। इसके अलावा मुख्य अभिनेता कल्याणजी जाना और अभिनेत्री अंकिता जाना के साथ 'ड्रीम सिटी मुंबई (असली कहानी मुंबई महानगरी)' आई लव यू (असली प्रेम कहानी यूपी), मैं हूं ऑटोवाला, मसूरी टू मुंबई और 'भोपाल गैस कांड' शीर्षक वाली अन्य फिल्में वास्तविक से प्रेरित हैं- जीवन की घटनाओं और उनके होम प्रोडक्शन के तहत बनाई गया है। कल्याणजी जाना पिछले 7 वर्षों से दर्शनिक मुंबई प्रेस मीडिया अवार्ड का आयोजन कर रहे हैं। वह दादासाहेब फाल्के आइकन अवार्ड फिल्म्स अवार्ड शो और दादासाहेब फाल्के आइकन मिस्टर, मिस एंड मिसेज इंटरनेशनल फैशन शो के आयोजक भी हैं, जो 24 नवंबर 2021 को दुबई के बॉलीवुड पार्क में होगा। वह छत्रपति शिवाजी महाराज गौरव पुरस्कार और नारी शक्ति आइकन अचीवर पुरस्कार की भी प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिसे अगस्त में आयोजित करने की उनकी योजना है। दूसरा डीपीआईएएफ-कोविड-19 योद्धा पुरस्कार और डीपीआईएएफ-बिजनेस ग्लोबल आइकॉन अचीवर अवॉर्ड इस साल 24 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। रंगशारदा ऑडिटोरियम, बांद्रा वेस्ट मुंबई में।

वर्ली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाएं योगा ग्रैंड मास्टर योग गुरु राधे श्याम के साथ

मुंबई। 21 जून को विश्व योग दिवस है, इस दिन सभी देश एक ही दिन मिलकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाते हैं, और भारत का गौरव देखने को मिलता है। हमारे ऋषि-मुनियों ने जो योगा का प्रचार प्रसार और लोगों को योग के जरिए ठीक कर लिया करते थे। आज भारत का यह योग पूरे विश्व में फैल गया है, इसका सीधा सीधा फायदा हमारे भारत को जाता , और भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने पूरे देश को एक साथ जोड़ दिया 21 जून को इसीलिए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को ही मनाया जाता है योग गुरु राधेश्याम नेहरू युवा केंद्र एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के साथ उनकी सामाजिक संस्था रजिस्ट्रेशन द ह्यूमन योगा फाउंडेशन। निशुल्क ट्रेनिंग सेंटर है। लॉकडाउन काम करके दिखलाया योग गुरु राधेश्याम अपनी जान की परवाह न करते हुए अपने आप को धोखे में डालकर लोगों की मदद किया योगा के जरिए को सहायता देने का काम किया और घरेलू उपचार बताने का काम किया अब आने वाला आठवां विश्व योग दिवस मनाने के लिए सभी मुंबई वासियों को सूचित करने के लिए इच्छुक हैं खास करके वर्ली विभाग के सभी नागरिकों को 21 जून 2021 दही मन योगा फाउंडेशन के सीनियर योगा टीचर संजय सिंह और योग ट्रेनर सुयोद शेट्टी और अर्चना योगा टीचर सुनील भारती योगा टीचर अमित जायसवार सुमन जैसवार और योगा ग्रैंड मास्टर योग गुरु राधेश्याम जैसवार सभी आने वाले श्रोताओं का हार्दिक अभिनंदन सभी लोग आए योगा दिन पर अपने विचार प्रकट करें और जीवन में खुशियों का बाहर लाने की कृपा करें, करो योग रहो निरोग यही है मेरी शुभकामना सभी नागरिकों।

महाराष्ट्र में शिक्षकों ने लोकल ट्रेन में यात्रा की अनुमति और टीकाकरण में प्राथमिकता की मांग की

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार द्वारा कोविड-19 टीकाकरण में प्राथमिकता और मुंबई में उपनगरीय रेल सेवा के इस्तेमाल की अनुमति का आश्वासन दिए बिना जारी परिपत्र पर शिक्षकों ने असंतोष व्यक्त किया है और उन्होंने एक बार फिर अपनी ये मांगे दोहराई हैं। बता दें कि राज्य सरकार ने सोमवार को एक परिपत्र जारी कर पहली से नौवीं कक्षा के 50 प्रतिशत शिक्षकों को विद्यालय से ऑनलाइन कक्षा लेना और 10 से 12वीं कक्षा के शिक्षकों के लिए शत प्रतिशत उपस्थिति को अनिवार्य बना दिया है। शिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे स्कूल आएं ताकि 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम जून के अंत तक घोषित किए जा सके। यह आदेश विदर्भ को छोड़ पूरे राज्य में 15 जून से लागू कर दिया गया है। विदर्भ में यह 26 जून से प्रभावी होगा। महाराष्ट्र सहायता प्राप्त एवं गैर सहायता प्राप्त स्कूल कार्य समिति की मुंबई इकाई के अध्यक्ष संजय दावरे ने कहा, सरकार ने परिपत्र आधा-अधूरा जारी किया है। हमने टीकाकरण में शिक्षकों को प्राथमिकता के आधार पर टीका देने की मांग की थी लेकिन इस बारे में राज्य सरकार ने कोई संवाद नहीं किया है। उन्होंने कहा, मुंबई के शिक्षकों ने लोकल ट्रेन में सफर करने की अनुमति देने की मांग की थी लेकिन इस परिपत्र में इस संबंध में कोई स्पष्ट निर्देश नहीं है। कैसे शिक्षकों से उम्मीद की जा सकती है कि वे स्कूल पहुंचेंगे, अगर उन्हें ट्रेन में सवार होने की अनुमति ही नहीं होगी?

होपमिरर फाउंडेशन ने 15 जून 2021 को... अपनी एक साल की सामाजिक यात्रा पूरी की

होपमिरर फाउंडेशन रमजान शेख द्वारा स्थापित एक संस्था है, जिनकी बहुत कम उम्र से ही जरूरतमंदों की मदद करने की मानसिकता थी। नवी-मुंबई और मुंबई में कई ड्राइव को सफलतापूर्वक निष्पादित करते हुए, इस कोविड -19 में हजार से अधिक परिवारों की मदद की। टीम ने गर्व के साथ एकजुटता का एक वर्ष पूरा कर लिया है और टीम ने मानव जाति और जानवरों की दुनिया को बचाने के लिए वृक्षारोपण का एक छोटा सा आयोजन करने का फैसला किया। टीम ने 15 जून 2021 को खारघर, नवी मुंबई में पहाड़ियों पर पेड़ लगाने के लिए अपने अभियान को अंजाम दिया था क्योंकि कार्बन डाइऑक्साइड पर्यावरण को हमारे लिए जहरीला बनाता है। पेड़ इस कार्बन डाइऑक्साइड का उपभोग करते हैं और इस तरह हमारे पर्यावरण को हमारे लिए सुरक्षित बनाते हैं, इसलिए टीम के सदस्य रमजान शेख, रुबीना खान, अरबाज मिरदे, आबिद फारूकी, अरमान शेख, रमेश चौधरी, शुभांगी रावत, मंदार तांडेल, शैलेश पटेल, विश्वनाथ पोरजी, सौरभ जाधव, अरुणा नाभ, नीता देसाई भी इस आयोजन का हिस्सा थे, क्योंकि वृक्षारोपण पर्यावरण के लिए अच्छा है। सभी जानते हैं कि पेड़ ऑक्सीजन का स्रोत हैं और इस कोविड-19 महामारी में यह हमारी मदद कर सकते हैं। और यह कार्यक्रम टीम के सभी सदस्यों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। होपमिरर फाउंडेशन आज भी एक टीम के साथ जरूरतमंदों के लिए सफल अभियान चलाना, मदत करना जारी रखा है। आइए महामारी की स्थिति के खिलाफ एक सामूहिक शक्ति के रूप में एक साथ आएं। आप जो मदद कर सकते हैं वह करें - आपका छोटा सा दान जरूरतमंदों के लिए एक बड़ी मदद होगी।

मुंबई में 2.7 करोड़ रुपये के मूल्य की एम्बरग्रीस बेचने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने उपनगरीय मुलुंड से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जो 2.7 करोड़ रुपये के मूल्य की 'एम्बरग्रीस' बेचने की कोशिश कर रहे थे। एक अधिकारी ने कहा कि सूचना मिलने के बाद अपराध शाखा की इकाई-4 ने एक वन अधिकारी के साथ मंगलवार शाम बोमेट चॉल के एक कमरे में छापा मारा और तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 2.7 किलो एम्बरग्रीस बरामद की। जब्त की गई एम्बरग्रीस के नमूनों को जांच के लिये समुद्री जीव विज्ञानियों को भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि तीनों व्यक्तियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जांच जारी है। एम्बरग्रीस को व्हेल की उल्टी भी कहा जाता है। दरअसल, व्हेल के शरीर से अपशिष्ट निकलता है। कई बार जब यह अपशिष्ट ज्यादा बड़ा हो जाता है तो व्हेल इसे मुंह से उगल देती है।

भांडुप में पहाड़ियों पर रहने वालों को बीएमसी की चेतावनी

सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह

मुंबई। बीएमसी ने भांडुप व विक्रोली में पहाड़ी पर रहनेवालों को चेतावनी देते हुए कहा है कि बरसात में वहां रहना खतरनाक है, इसलिए समय रहते लोग सुरक्षित जगह पर शिफ्ट हो जाएं। एस वॉर्ड के अंतर्गत विक्रोली पश्चिम में सूर्या नगर, पवई स्थित इंदिरा नगर, गौतम नगर, पास पोली, जयभीम नगर, गौतमनगर पहाड़ी की ढलान पर बसे हैं। इसी तरह भांडुप पश्चिम में रमाबाई आंबेडकर नगर भाग 1 व 2, नरदास नगर, गांवदेवी टेकडी, गांवदेवी

मार्ग, टेंभीपाडा, रावते कंपाउंड, खिंडीपाडा, रामनगर, हनुमान नगर, अशोक टेकडी पर बसी झोपड़पट्टी में रहनेवालों को बीएमसी ने चेतावनी दी है। एस वॉर्ड के असिस्टेंट कमिश्नर ने कहा है कि भारी बारिश पहाड़ खिसक सकता है, तेज बारिश की वजह से नालों का पानी झोपड़ों में घुस सकता है। साथ ही, झोपड़े बह जाने की भी आशंका है, इसलिए यहां रहनेवालों को खुद ही सुरक्षित स्थानों पर चले जाना चाहिए। बीएमसी ने स्पष्ट कर दिया है कि चेतावनी के बाद भी यदि लोग यहां से नहीं हटें, तो कोई प्राकृतिक आपदा, दुर्घटना या धन-जन की हानि होने पर बीएमसी जिम्मेदार नहीं होगी।

बुलढाणा हलचल

राज ठाकरे का जन्मदिन पेड़ लगाकर मनाया गया

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। मनसे अध्यक्ष राजसाहेब ठाकरे के 53वें जन्मदिन के अवसर पर महाराष्ट्र नवनिर्माण राज्य परिवहन कामगार सेना के प्रदेश अध्यक्ष हरिभाऊ माळी और सचिव ज्ञानदेव गायकी के आदेश पर जिलाध्यक्ष गजानन ठोसर की अध्यक्षता में सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से 53 वड़ा वृक्ष लगाकर माननीय राजसाहेब का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर जिल्हा उपाध्यक्ष अॅड.विनोद पाटील, जिल्हा सचिव शेख समद कुरेशी, मोताळा तालुका अध्यक्ष शरद खराटे, किशोर, राऊत, मंगेश सातव, अमित खर्चे, संजय कातव, अतुल तांदुळे, मलकापूर तालुका उपाध्यक्ष अँड रविंद्र निकम, शहराध्यक्ष सै वसीम सै रहीम, ईमामशाह, नासीरभाई, एजाज भाई अन्य मनसे कार्यकर्ता मौजूद थे।

राजस्थान हलचल

मानव सेवा समिति के रक्तदानी सेवादारों द्वारा 39 युनिट रक्तदान किया गया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। कहते हैं रक्तदान, जीवन दान है और एक व्यक्ति द्वारा रक्तदान करने से अनेक जानें बचाई जा सकती हैं। इस बात को सार्थक करते हुए सिविल अस्पताल अबोहर के ब्लड बैंक में रक्त की कमी को देखते हुए आज संस्था के रक्तदानी सेवादारों द्वारा सिविल अस्पताल अबोहर के ब्लड बैंक में अपना बहुमूल्य 39 युनिट रक्तदान किया गया। जानकारी देते हुए संस्था के सेवादार सुभाष मानव ने बताया कि सिविल हस्पताल अबोहर के ब्लड बैंक स्टाफ द्वारा उन्हें सूचना दी गई थी के सिविल हस्पताल अबोहर के ब्लड बैंक में रक्त की कमी चल रही है जिसके कारण मरीजों तथा उनके रिश्तेदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिस पर संस्था के मेहनती स्टाफ द्वारा संस्था के रक्तदानी सेवादारों को रक्तदान करने के लिए फोन किए गए जिस पर संस्था के सोनू कुमार, मन्नू इंसा, सुखविंदर सिंह, मनीष सोनी, शिव कुमार, राज कुमार, अजय कुमार, कैश मसीह, लक्ष्मण दास, नितेश कुमार, सचिन विज, टिंकू मोरवाल, रिपुदमन, भरत, लखबीर सिंह, कपिल गुप्ता, गगनदीप, सचिन गर्ग, सुनील कुमार, हरजीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, गुरमीत सिंह, मनदीप कुमार, लाल चंद, जितेंद्र सिंह, रजत नरूला, हरमीत कौर, विनोद कुमार, सौरव, विशाल गांधी, हरपाल चंद, प्रेमलता, अनीश कुमार, जगदीश सिंह, मनप्रीत कुमार, हरलाल, आदित्य नागपाल और आशीष सीडाना रक्तदानी सेवादारों द्वारा अपना-अपना जरूरी कामकाज छोड़कर तुरंत सिविल अस्पताल के ब्लड बैंक में पहुंचकर 15 यूनिट बी पॉजिटिव, 10 यूनिट ओ पॉजिटिव, 6 यूनिट एबी पॉजिटिव, 5 यूनिट ए पॉजिटिव, 2 यूनिट बी नेगेटिव और 1 यूनिट ए नेगेटिव रक्तदान कर मानवता की भलाई का परिचय दिया गया। इस बहुमूल्य महा पुन्य के सेवा कार्य करने के लिए संस्था द्वारा सभी रक्तदानी सेवादारों को उनके मंगलमय जीवन के लिए प्रेम और आशीर्वाद दिया जाता है। इस अवसर पर सुभाष मानव द्वारा ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रक्तदान करने के लिए अपना नाम संस्था में रजिस्टर्ड करवाने की अपील की गई है।संस्था द्वारा सभी रक्तदानी सेवादारों को रक्तदान करने हेतु संस्था के रजिस्टर्ड सर्टिफिकेट भेजे जा रहे हैं।

मुस्लिम महासभा 21 जून को मनाएगी हकीम खान सूरी शहीद दिवस

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मुस्लिम महासभा हकीम खान सूरी शहादत दिवस मनाएगी,मुस्लिम महासभा राजसमन्द की जिलाध्यक्ष रेहाना खान पठान ने बताया कि मेवाड़ के इतिहास में हकीम खान सूरी के योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता, इस वर्ष हकीम खान सूरी के शहादत दिवस पर मुस्लिम महासभा राजसमन्द टीम द्वारा 21 जून को राजसमन्द के हल्दीघाटी स्थित मजार शरीफ पर खिदमात कर चादर एवम फूल इत्र पेश कर देश की खुशहाली के लिए दुआएँ मांगी जाएगी,कोरोना जैसी भयंकर बीमारी के खात्मे की दुआए मांगी जाएगी।

राज्य सरकार के आदेशों को हवा में उड़ाया बीकेसीएल ने

बीकानेर। कोरोना महामारी के विकराल दौर में जनता की विकट आर्थिक स्थिति व लोक ड़ाऊन को ध्यान में रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री ने विधुत बिलों को 25 जून तक भरने के आदेश दिए है-एडवोकेट सुरेश गोस्वामी ने बताया कि बीकेसीएल ने उक्त आदेश के बाद भी राज्य सरकार के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए बिजली बिल भरने की अन्तिम तिथि 16 जून नियत की साथ में नोटिस भी जारी किये कि अन्तिम तिथि तक बिल का भुगतान नही किया तो विधुत कनेक्शन विच्छेद कर दिया जायेगा - बीकानर के कबीना मन्त्री (ऊर्जा) के गृह जिले में ही ये हाल है तो बाकी जिलों मे कहने ही क्या -कि पूर्व मे भी कोरोना महामारी मे लोक ड़ाऊन मे बिजली बिल माफ करने की कई संगठनो ने मांग की थी।

पुणे हलचल

द्वितीय महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2021 में मराठी फिल्मो की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री सुलक्षणा पाटिल को महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का कोल्हापुर जनपद का प्रभारी बनाया गया

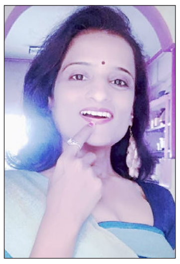

इंडियन फिल्म एंड टी.वी. आर्टिस्ट्स एशोसिएशन, अग्रसेन फिल्मी हलचल तथा शंकर फिल्म्स के बैनर तले ऑनलाइन हो रहे महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की और से मराठी फिल्म अभिनेत्री सुलक्षणा पाटिल को महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के ऑर्गनाइजर, डायरेक्टर गिरजा शंकर अग्रवाल ने बताया कि मराठी फिल्म अभिनेत्री सुलक्षणा पाटिल को महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का कोल्हापुर जनपद का प्रभारी नियुक्त किया गया हैं। मराठी फिल्मो की जानी मानी फिल्म अभिनेत्री हैं। सुलक्षणा पाटिल से अपेक्षा की गयी हैं। जनपद कोल्हापुर के समस्त कलाकारों को जोड़ना का कार्य करेगी। साथ ही फिल्म निमार्ताओ के द्वारा बनाई गयी फीचर फिल्म, शार्ट फिल्म, बेबसीरीज, म्यूजिक एल्बम इत्यादि फिल्म फेस्टिवल में शामिल कराने में सहयोग प्रदान करेगीं। फिल्म अभिनेत्री सुलक्षणा कोल्हापुर की रहनेवाली हैं। बचपन से ही एक्टिंग और डांसिंग का शौक था। बॉलीवुड अभिनेत्री बनाना चाहती थी। इन्होंने कोल्हापुर के शिवाजी यूनिवर्सिटी में हिंदी सब्जेक्ट मैं एम.ए (हिंदी) की शिक्षा पूरी की, और भी कई यूट्यूब न्यूज चैनल पर रिपोर्टर और एंकर का भी काम किया हैं।

मधुबनी हलचल

मॉबलिंचिंग मामले में वर्तमान सरकार से ज्यादा विपक्ष की पार्टियां जिम्मेदारः नजरे आलम

मधुबनी। मॉबलिंचिंग मामले में सरकार से ज्यादा सवाल तो तथाकथित सेकुलर पार्टियों से करने की जरूरत है, क्योंकि वोट तो हम आजादी से अबतक इसी तथाकथित सेकुलर पार्टियाँ (जिसे मुर्दा विपक्ष भी कह सकते हैं) उसे ही देते आ रहे हैं और आगे भी देते रहेंगे क्यूंकि सबसे ज्यादा सेकुलर का चोला भी तो हम ही लोग पहने हुए हैं, हमलोग मानने वाले कहाँ हैं और मानना भी नहीं चाहिए क्यूंकि देश पहले है, इंसानियत सबसे पहले है, लेकिन याद रखिए मजलूम की आह किसी को नहीं छोड़ती, पता नहीं तथाकथित सेकुलर पार्टियों को ये बातें क्यूंकि नहीं समझ आती के उनकी वर्तमान केंद्र सरकार को खामोश हिमायत ही उनके अंत की निशानी होगी। कितना लिंचिंग करोगे जिस दिन यही मजलूम सियासी लिंचिंग शुरू करेंगे सत्ता तो दूर विपक्ष लायक नहीं बचोगे। इसलिए हम केंद्र सरकार से तो इसपर रोक लगाने और सख्त कानून बनाने के लिए मांग कर ही रहे हैं मुर्दा विपक्ष जो हमारे वोट के बदौलत जिंदा है वो भी समय रहते जाग जाए, चुप्पी तोड़ मॉबलिंचिंग पर रोक लगवाए साथ ही ऐसा कानून बनाए कि कोई किसी निर्दोष को भीड़ बनाकर नहीं मार सके, जबरन धार्मिक नारे लगाने को मजबूर नहीं कर सके।

समस्तीपुर हलचल

अपराधियों ने चाकू से वार कर युवक की कर दी हत्या

समस्तीपुर। चकमेहसी थाना हल्का के हजपुरवा बिहार पंचायत सरकार भवन के नजदीक अवस्थित एक पुलिया के निकट मंगलवार को अपराधियों ने एक युवक के गर्दन पर चाकू मार मरा समझ कर पुलिया के नीचे बारिश के पानी में फेंक दिया।आज सुबह स्थानीय ग्रामीणों ने वहा से गुजरते वक्त युवक को देखा। जिसके बाद इसकी सूचना परिजनों को दी गई। सूचना पर परिजन युवक को चिंताजनक स्थिति में इलाज हेतु समस्तीपुर ले गए है। जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक की पहचान सोरमार पंचायत अंतर्गत गंगापारन गांव निवासी स्व0 परीक्षण महतो के 35 वर्षीय पुत्र उदय महतो के तौर पर की गई है। घटनास्थल पर लोगों के बीच चर्चा था कि उक्त युवक की हत्या प्रेम प्रसंग में परिचित लोगों के द्वारा ही कर देने की आशंका जताई है। जिसकी चर्चा जोरों पर थी पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। चकमेहसी थाना अध्यक्ष का बताना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। इधर पीड़ित परिवार के द्वारा किसी प्रकार का आवेदन थाना में नहीं दिया गया है।

सी एस पी संचालक हत्या कांड में पुलिस ने चार अपराधियों को गिरफ्तार किया

समस्तीपुर। सरायरंजन थाना के तहत वाजिदपुर मेयारी गांव में गत सात जुन को दिन दहाड़े डेढ़ बजे करीब अपराधियों के एक गिरोह द्वारा सीएसपी संचालक सुनील कुमार को गोली मारकर निर्मम हत्या करने के उपरांत तीन लाख साठ हजार रुपया नगद के लूटकांड में पुलिस को जबरदस्त कामयाबी मिली है। पुलिस ने घटना में संलिप्त पांच अपराधियों में से चार अपराधियों को कांड में प्रयुक्त मोटर साइकिल स्पलेंडर, मृतक का पिठू बैग,जिसमें लूटे गए रुपए, पैन कार्ड, आधारकार्ड तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का चेक बुक, लूटे गए रुपए में से बीस हजार रुपए, दो देशी कट्टा, तीन कारतूस, घटना में प्रयुक्त दो मोबाईल आदि बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने इस संदर्भ में चार अपराधियों को जिनमें राहुल झा पिता शम्भु कुमार झा, साकिन चांदचौड़ डिह, दीपक झा पिता स्व0 मनोज झा, साकिन चांदचौड़ हाजी टोल, राहुल कुमार पिता स्व0 महेश राय साकिन केवटा, शम्भु कुमार झा पिता राम सागर को गिरफ्तार कर लिया है। समस्तीपुर के सदर डीएसपी प्रीतीश कुमार ने बुधवार को अपने दफ्तर में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि मृतक समस्तीपुर के जदयू जिला अध्यक्ष पूर्व सांसद अश्वमेध देवी के सहोदर भाई थे। उन्होंने बताया कि घटना में त्वरित अनुसंधान एवं संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन कर टीम में पुलिस निरीक्षक विक्रम आचार्य, पुलिस अवर निरीक्षक संजीव कुमार चौधरी, थाना अध्यक्ष मुसरीघरारी संजय कुमार सिंह, सरायरंजन थाना अध्यक्ष राजा, उजियारपुर थाना अध्यक्ष विश्वजीत कुमार, डीआईंयू संदीप कुमार पाल को शामिल किए गए थे। जिन्होंने लगातार तकनिकी अनुसंधान करते हुए दर्जनों स्थानों से सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से जांच पड़ताल करते हुए अपराधियों तक पहुंचने में सफलता हासिल कर लिया। उन्होंने बताया कि अनुसंधान से स्पस्ट हुआ है कि अपराधियों दो बाईक पर सवार होकर आया और घटना को अंजाम दिया। गिरफ्तार अपराधी का दलसिंहसराय थाना में डकैती की घटना में संलिप्तता रही है। डीएसपी प्रीतीश कुमार ने बताया कि इस कांड का स्पीडी कराकर अपराधियों को सजा दिलाई जाएगी।

बड़े काम के हैं ये छोटे-छोटे नुस्खे, डॉक्टर से रखेंगे दूर

आए दिन हमें सेहत से जुड़ी छोटी छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके लिए हम रोज डाक्टर के पास भी चक्कर नहीं लगा सकते। एसिडिटी, कब्ज, सिरदर्द, पेट फूलने और थकान जैसी परेशानियां आम ही सुनने को मिलती हैं इन्हें दूर करने के लिए अगर घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल किया जाए तो तुरंत आराम मिलेगा। इसी के साथ ब्यूटी से जुड़ी प्रॉब्लम का हल भी छोटे छोटे घरेलू नुस्खों से निकाला जा सकता है। आज हम आपको जो टिप्स बता रहे हैं वह आपके बहुत काम आएंगे।

हिचकी होगी तुरंत बंद

कई बार हिचकी आने पर रूकने का नाम ही नहीं लेती। ऐसे में ठंड़े पानी से गरारे करें या फिर बर्फ का टुकड़ा चूसें।

एसिडिटी को कहें बॉय-बॉय

एसिडिटी होने पर 2 हरी इलायची के दाने निकाल कर एक गिसाल पानी में उबाल लें। ठंड़ा होने पर पी लें।

डैंड्रफ नहीं करेगा शर्मिंदा

दो टेबलस्पून दही में, 1 टीस्पून मेथी दाने का पाउडर और 1 टीस्पून आंवला पाउडर मिलाकर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट को आधे घंटे के लिए बालों पर लगाकर धो लें।

नहीं फूलेगा पेट

बहुत से लोगों को पेट फूलने की दिक्कत होती हैं। अक्सर गैस बनने के बाद ही यह परेशानी देखने को मिलती हैं। पेट में सूजन हो जाए तो 1 टीस्पून सौंफ को 1 कप गर्म पानी में डाल कर 10 मिनट के लिए ढक कर रख दें। इस पानी का दिन में 3 बार सेवन करें।

अनिद्रा की होगी छुट्टी

सोने से आधा घंटा पहले 1 गिलास गुनगुने पानी में 1 टीस्पून एप्पल साइडर विनेगर और शहद मिलाकर पीएं।

कब्ज से मिलेगी राहत

रात को 1 कप गर्म दूध में 1 टीस्पून आरंडी का तेल डालकर पी लें।

बदन दर्द से छुटकारा

एक कप हल्के गर्म पानी में एक चम्मच शहद और आधा चम्मच दालचीनी पाउडर मिलाकर पीने से भी बदन दर्द में राहत मिलती है।

थकावट होगी छूमंतर

ज्यादा काम करने के बाद थकावट महसूस कर रहे हैं तो डॉर्क चॉकलेट खाएं। इससे एनर्जी मिलेगी।

माइग्रेन का जिद्दी दर्द

इस दर्द से राहत पाने के लिए दो बूंद गाय के शुद्ध देसी घी की नाक में डालें।

फायदे ही नहीं, नुकसान भी पहुंचाता है इसबगोल

गलत खान-पान की वजह से लोगों को पेट की कई समस्याएं हो जाती हैं। एसिडिटी, पेट फूलना और कब्ज की समस्या आम सुनने को मिलती है जिसके लिए लोग कई तरह की दवाओं का सेवन करते हैं। इन्हीं में से एक है इसबगोल, जिसे डॉक्टर गैस के रोगी के लिए फायदेमंद बताते हैं। इसबगोल में काफी मात्रा में जिंक, कॉपर और मैंगनीज होता है जो पेट को साफ करके कब्ज की समस्या को दूर करता है लेकिन इसका अधिक सेवन करने से शरीर को नुकसान भी पहुंचता है जिसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे।

दवाएं नहीं करती असर

जो लोग किसी बीमारी की वजह से रैगुलर दवाओं का सेवन करते हैं और इस दौरान पेट की समस्या होने पर इसबगोल भी खाते हैं तो दवा अपना असर दिखाना बंद कर देती है। इसबगोल दवा को सतह पर ही रोक लेता है और खून में घुलने नहीं देता जिस वजह से शरीर को नुकसान पहुंचता है।

पोषक तत्वों को करता है अवशोषित

इसबगोल का अधिक सेवन करने से शरीर में मौजूद जिंक, कॉपर और मैगनीज जैसे मिनरल तत्व मल के रास्ते शरीर से बाहर निकलने लगते हैं। जिस वजह से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और हड्डियों में भी दर्द होने लगता है।

पेट में सूजन

इसमें काफी मात्रा में फाइबर होता है जो कब्ज और एसीडिटी की समस्या से छुटकारा दिलाता है लेकिन जब इसका अधिक सेवन करते हैं तो शरीर में फाइबर की मात्रा बढ़ जाती है जिससे पेट में सूजन हो जाती है और दर्द होने लगता है।

हाई ब्लड प्रैशर को ऐसे रखें कंट्रोल

किसी ने सच ही कहा है जैसा खान-पान वैसी सेहत। भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग इतने व्यस्त हो चुके हैं कि किसी के पास अपनी सेहत का ध्यान रखने का टाइम नहीं। इसी वजह से लोग किसी न किसी बड़ी बीमारी से ग्रस्त होते जा रहे हैं। जिनमें से एक हाई ब्लड प्रैशर की बीमारी है। यह बीमारी भले ही सुनने में मामूली लगती है लेकिन हृदयाघात और अन्य हृदय रोग का कारण हाई ब्लड प्रैशर ही है। पहले समय में यह समस्या केवल बढ़ती उम्र में दिखाई देती है लेकिन बदलते लाइफस्टाइल और खान-पान की आदतों के कारण कम उम्र के लोगों में भी हाई ब्लड प्रैशर की परेशानी देखने को मिलती है। उच्च रक्तचाप को नियंत्रित रखना बहुत जरूरी है क्योंकि यह अन्य कई बीमारियों के बुलावा देता है। अगर आप भी हाई ब्लड प्रैशर से गुजर रहे है तो डॉक्टरी सहायता के साथ-साथ कुछ घरेलू तरीके अपनाकर देखें।

हाई ब्लड प्रैशर लक्षण

- चक्कर आना
- सिर घूमना
- शरीरिक क्षमता कमजोर
- अनिद्रा की समस्या

हाई ब्लड प्रैशर के लिए घरेलू उपाय

- लहसुन

हाई ब्लड प्रैशर में लहसुन का सेवन काफी फायदेमंद साबित होता है क्योंकि यह रक्त में थक्का नहीं जमने देता और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखता है। इसलिए आप लहसुन की कली लेकर ऐसे ही चबा सकते है या खाने में इसका इस्तेमाल कर सकते है।

- आंवल का रस

आंवला कई औषधियों गुणों से भरा होता है जो शरीर को बिल्कुल फिट रखता है। 1 चम्मच आंवले के रस में थोड़ा सा शहद मिलाकर सुबह-शाम पीएं। इससे हाई ब्लड प्रैशर कंट्रोल रहेगा।

- काली मिर्च

ब्लड प्रैशर बढ़ने पर आधा गिलास गर्म पानी में काली मिर्च पाउडर मिलाएं और 2-2 घंटे बाद इसका सेवन करें। इससे ब्लड प्रैशर कंट्रोल रहेगा।

- नींबू का रस

बढे हुए ब्लड प्रैशर को नियंत्रित करने के लिए आधा गिलास पानी में नींबू निचोड़ लें। फिर इसे 2-2 घंटे के अंतर से पीते रहें। इससे काफी फायदा मिलेगा।

- तुलसी

तुलसी के पत्ते और दो नीम की पत्तियां लेकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को पानी में घोलकर खाली पेट सुबह पिएं। ऐसा रोज लगातार करने से 15 दिन में आपको असर दिखाई देगा।

बरसात में लें टेस्टी मशरूम क्रीम सूप का मजा

बरसात के मौसम में गर्मागर्म और टेस्टी खाने का मन करता है। ऐसे में मशरूम क्रीम सूप बैस्ट ऑप्शन है। आज हम आपको इसकी रैसिपी बताते हैं।

सामग्री

मशरूम- 600 ग्राम
प्याज- 1(कटा हुआ)
लहसून- 3 कलिया (बारीक कटी)
ताजा हरा धनिया- 1 कप (कटा हुआ)
जैतून का तेल- 1 टेबलस्पून
वैजीटेबल स्टॉक- 1.5 लीटर
क्रीम- 75 मि.ली.
ब्रैड क्रम्स- स्लाइस में काटे हुए
नमक- स्वादानुसार
काली मिर्च- स्वादानुसार

विधि

1. मशरूम को साफ कर बारीक काट लें।
2. पैन में तेल गर्म करें और प्याज, लहसून और धनिया डाल कर भून लें।
4. अब इसमें मशरूम डालें और सॉफ्ट होने तक पकाएं।
5. अच्छी तरह पक जाने पर इसमें वैजीटेबल स्टॉक मिलाएं15 मिनट तक नमक डालकर पकाएं।
6. फिर सारे मिश्रण को मिक्सी में पीस लें और पैन में दोबारा क्रीम डालकर गर्म करें।
7. गर्मागर्म सूप तैयार हैं। ब्रैड क्रम्स व मशरूम के 1-2 पीस के साथ गार्निश करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रणवीर के साथ रोमांस करती नजर आ सकती हैं कियारा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के पास इस समय कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। वहीं अब खबर आ रही है कि कियारा साउथ की एक सुपरहिट फिल्म के हिन्दी रीमेक में बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह के साथ भी रोमांस करती नजर आएंगी। खबरों के अनुसार कियारा आडवाणी साउथ फिल्म 'अन्नियन' के रीमेक में रणवीर सिंह के अपोजिट नजर आएंगी। कुछ महीने पहले ही रणवीर सिंह ने ऐलान किया था कि वे एस शंकर की हिट फिल्म 'अन्नियन' के हिन्दी रीमेक में नजर आएंगे। फिल्म अन्नियन को दर्शकों ने टीवी पर 'अपरिचित' नाम से देखा है। बताया जा रहा है कि कियारा फिल्म में नंदिनी का रोल करेंगी जिसे ओरिजनल फिल्म में एक्ट्रेस सुधा ने निभाया था। कियारा ने अपनी एक वर्चुअल फैन मीट के दौरान इस बात का हिंट दिया है। कियारा से पूछा गया कि वो किस कलाकार के साथ स्क्रीन शेयर करना चाहती हैं तो उन्होंने ने रणवीर सिंह का नाम लिया। इसी के बाद फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वो रणवीर सिंह की अन्नियन में नजर आ सकती हैं।

मिनिषा लांबा को फिर से हुआ प्यार

बॉलीवुड एक्ट्रेस मिनिषा लांबा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। मिनिषा का पिछले साल तलाक हुआ था। उन्होंने लंबे समय तक डेट करने के बाद साल 2015 में रेस्टोरेंट मालिक रियान थाम से शादी की थी। अब एकबार फिर मिनीषा को प्यार हो गया है। मिनिषा लांबा ने खुलासा किया है कि वह एक बार फिर से किसी खास शख्स के साथ रिश्ते में हैं। मिनिषा ने कहा, मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगी कि रिश्ते या शादी का अंत जीवन का अंत नहीं है। आपको प्यार करने के लिए एक और मौका होगा, प्यार हो, और अतीत को भूलना भी आसान हो जाएगा। मैं एक ही कारण की वजह से अब इसके बारे में बात कर रही हूं। मिनिषा ने कहा कि वे अपने नए रिलेशनशिप के बारे में इसलिए बात कर रही हैं क्योंकि उनके इस कदम से पुराने रिश्ते में फंसे लोगों को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। ताकि वो ये जान सके कि चीजें बेहतर हो सकती हैं। मिनीषा लांबा ने पूछा गया कि तो क्या वह फिर से प्यार करने को लेकर विचार कर कर रही हैं? इस सवाल के जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, हां, इस समय मैं एक प्यारे शख्स के साथ एक खुशहाल रिश्ते में हूं।

जरीन खान का चौंका देने वाला खुलासा

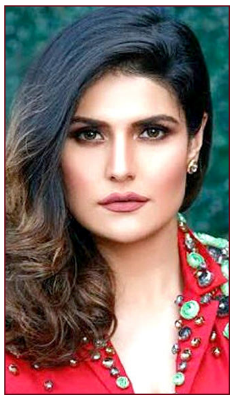

बॉलीवुड अदाकारा जरीन खान फिट और खूबसूरत अभिनेत्रियों की लिस्ट में शुमार हैं। एक्ट्रेस आये दिन अपनी फिटनेस और खूबसूरती को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। 2010 में अपनी पहली फिल्म, सलमान खान स्टारर 'वीर' की रिलीज के बाद बॉडी शेमिंग का सामना करने वाली अभिनेत्री जरीन खान का दावा है कि वास्तव में उन्हें अनुभवी लोगों द्वारा भूमिका के लिए वजन बढ़ाने के लिए कहा गया था। ऐसे में जब जरीन से यह सवाल किया गया कि क्या इंडस्ट्री में किसी भी एक्टर को उनके लुक्स को लेकर जज किया जाता है या नहीं इसपर जरीन ने कहा, यह निश्चित रूप से होता है। मैं यह सब नहीं कहूंगी, लेकिन उद्योग का एक बड़ा वर्ग ऐसा करता है। शुरूआत में यह वास्तव में मुश्किल था क्योंकि मेरा वजन लगभग एक राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका था। जब जरीन ने 'वीर' में सलमान के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की, तो लोगों ने तुरंत नोटिस किया कि वो कैटरीना कैफ जैसी दिखती है। जिसके बाद जल्द ही सबका ध्यान उसके शरीर के प्रकार पर स्थानांतरित हो गया।